कृषि-सलाहकार सेवा

नवंबर 2022 के प्रथम पखवाड़े की रणनीतियां

- *जब फसल 80-85% तक पक जाएं तो हंसुआ या कंबाइन हार्वेस्टर या रीपर का उपयोग करके कटाई करें। खपत के उद्देश्य से धान के दानों को 14% नमी की मात्रा सहित धूप में सुखाएं और बेहतर भंडारण के लिए बीज के उद्देश्य से इसे 12% नमी तक सुखाएं। उपज के बेहतर मूल्य के लिए प्रत्येक किस्म को बिना मिलाए अलग-अलग पैक करें ।*
- *धान/चावल के सुरक्षित भंडारण के लिए, 'सुपर ग्रेन बैग' का उपयोग करें, जो गुणवत्ता, बनावट, रंग, सुगंध और स्वाद को लंबे समय तक बनाए रखने में सहायक है और कीटों के संक्रमण को भी रोकता है। कटे हुए धान को बेमौसम वर्षा से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए ढकने हेतु उपयुक्त तरीके से बोरियों में भरें और ढेरों में भंडारित करें।*
- *भंडारित धान दानों में संक्रमण दिखाई देने के तुरंत बाद, एल्युमिनियम फॉस्फाइड टिकिया (आवासीय घरों में उपयोग न करें) 3 टिकिया/टन धान दर पर (कुल 9 ग्राम टिकिया) का उपयोग करके अच्छी तरह से हवाबंद डिब्बों में या अनाज की थैलियों को मोटे तिरपाल सहित बिना कोई खाली स्थान छोड़े ढककर धूमन करें। टिकियों को ढेरों में रखने से पहले कपास के पाउच में लपेटकर रखें, जो धूमन पूरा करने के बाद अवशेषों को त्यागने में मदद करता है। गैस के रिसाव को रोकने के लिए प्लास्टिक कवर के सभी कोनों को मिट्टी या चिपकने वाली टेप की 6 इंच मोटी परत से प्लास्टर किया जाना चाहिए। बेहतर परिणाम के लिए लगभग 7-10 दिनों की न्यूनतम एक्सपोजर अवधि बनाए रखें।*

चावल की लंबी अवधि की किस्मों में या बिलंवित रोपे गए धान की फसल पक जाने पर, खेत में रखी परिपक्व/कटाई हुई फसल में भूरा पौध माहू, सफेदपीठवाला पौध माहू, हरा पत्ता माहू, गंधी बग या इल्लियों के संक्रमण की संभावना हो सकती है।

- *यदि भूरा पौध माहू कीटों की संख्या लागत-लाभ की सीमा (5-10 कीट/पूंजा) से अधिक है, तो वैकल्पिक गीला और सुखाने की तकनीक (पानी लंबे समय तक खेत में खड़ा नहीं होना चाहिए) द्वारा धान के खेत की सूक्ष्म जलवायु को बदलने की सलाह दी जाती है। यदि समस्या फिर भी बनी रहती है, तो ट्राइफ्लुमेज़ोपाइरिम 10% एससी 94 मिली/एकड़ दर से या पाइमेट्रोज़ीन 50% डब्ल्यूजी 120 ग्राम/एकड़ दर से या डाइनोटफ्यूरन 20% एसजी 80 ग्राम/एकड़ दर से या इमिडाक्लोप्रिड 17.8% एसएल 50 मिली/एकड़ दर से या फ्लोनिकानिड 50% डब्ल्यूजी 60 ग्राम/एकड़ दर से छिड़काव करें। भूरा पौध माहू के लिए अनुशंसित कीटनाशकों का प्रयोग निर्धारित मात्रा में ही करें। भूरा पौध माहू के संक्रमण के दौरान नाइट्रोजनयुक्त उर्वरकों के प्रयोग से बचें।*

- *यदि गंधी बग का प्रकोप देखा जाता है: एथोफेनोप्रोक्स 10 ईसी/200 मिली/एकड दर पर 200 लीटर पानी के साथ पर्णीय छिड़काव करें या सुबह के समय, जब हवा नहीं होती है या न्यूनतम हवा होती है, मालाथियान 5डी 10 किग्रा/एकड़ दर पर पूरे खेत में समान रूप से एक झाड़ दें।*

- *यदि धान में हरा पत्ता माहू का संक्रमण देखा जाता है, तो अज़ाडिराक्टीन 5% w/w 80 मिली/एकड़ या इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल दर पर 50 मिली/एकड़ या थियामेथोक्सम 25 डब्ल्यूजी 40 ग्राम/एकड़ दर पर या एसेफेट 75% एसपी 400 ग्राम/एकड़ दर पर या फिप्रोनील 0.3% जीआर 10 किग्रा/एकड़ उपयोग करें। उल्लिखित कीटनाशकों के छिड़काव के लिए 200 लीटर पानी का प्रयोग करें।*

- *यदि इल्लियों का प्रकोप देखा जाता है: क्विनॉलफॉस 25 ईसी 400 मिली/एकड़ या क्लोरोपाइरीफॉस 20ईसी 500 मिली/एकड दर पऱ प्रयोग करें और इसे सुबह के समय फसल के मूल पर छिड़काव करें।*

रात के कम तापमान और उच्च आर्द्रता के कारण देर से पकने वाली चावल की किस्मों में आभासी कांड और गला/बाली प्रध्वंस का प्रकोप अधिक होने की संभावना रहती है। प्रभावी प्रबंधन के लिए निम्नलिखित कवकनाशकों का प्रयोग किया जा सकता है।

- *यदि गला/बाली प्रध्वंस देखा जाता है, बीमारी को नियंत्रित करने के लिए टेबुकोनाजोल 50% + ट्राइफ्लॉक्सीस्ट्रोबिन 25% (नैटिवो 75 डब्ल्यूजी) 80 ग्राम प्रति एकड़ दर पर या कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी 400 ग्राम प्रति एकड़ दर पर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। वैकल्पिक रूप से, बेल के पत्तों (25 ग्राम ताजी पत्तियां) का निचोड़ का छिड़काव या तुलसी (25 ग्राम ताजी पत्तियां) या नीम (200 ग्राम ताजी पत्तियां) प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करने पर रोग कम करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा, ट्राइकोडर्मा विरिडे जैसे जैवनियंत्रक कारक (न्यूनतम 106) सीएफयू) 2 किलो प्रति एकड़ दर पर प्रयोग किया जा सकता है। एक एकड़ क्षेत्र के लिए 200 लीटर घोल का प्रयोग करें।*
- *फाल्स स्मट: कॉपर हाइड्रॉक्साइड 77% (कोसाइड 101) 400 ग्राम/एकड़ दर पर या टेबुकोनाज़ोल 25% (फोलिकूर) 400 ग्राम/एकड़ दर पर बूट लीफ अवस्था में छिड़काव करें। फाल्स स्मट के प्रभावी नियंत्रण के लिए छिड़काव को सात दिनों के अंतराल पर दोहराएं।*
- *किसानों को सलाह दी जाती है कि धान की खेती के सभी पहलुओं के लिए एनआरआरआई द्वारा विकसित राइसएक्सपर्ट मोबाइल ऐप (गूगल प्ले स्टोर में उपलब्ध) को डाउनलोड करें और उसका उपयोग करें।*
- *जहां नमी की कमी के कारण धान की खेती नहीं की गई है, वहां किसानों को सलाह दी जाती है कि वे उपलब्ध खेत में मिट्टी नमी का उपयोग करते हुए मध्यम एवं निचली उथली भूमि में कम अवधि वाली फसलें जैसे मूंग, उड़द, चना, मूंगफली, मसूर दाल, तोरिया और सूर्यमुखी की खेती करें।*